मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशीलता से अतिवृष्टि प्रभावितों तक पहुंच रही मदद

प्रदेश में अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर जारी

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकारअतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में तत्परता के साथ हरसंभव राहत प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथनागरिक सुरक्षा से लेकर चिकित्सा सेवाएं, खाद्य सामग्री की उपलब्धता सहित आवश्यक सेवाओं के सुचारू संचालन पर भी विशेष दिशा-निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री शर्मा के निर्देशानुसार प्रदेश में अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर किए जा रहे हैं। आम जनता की सुरक्षा के लिए सरकार ने कई एहतियाती कदम उठाए हैं। दुर्घटना संभावित स्थानों पर सूचना बोर्ड लगाए जा रहे हैं और नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है। राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम का टोल फ्री नंबर 1070 और जिला स्तरीय कंट्रोल रूम का टोल फ्री नंबर 1077 लगातार सक्रिय हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे मौसम विभाग और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें, बहते हुए पानी और जलाशयों के निकट न जाएं और किसी भी आपात स्थिति में नियंत्रण कक्ष से तुरंत संपर्क करें। प्रशासन की टीमें सजग और तत्पर हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

अब तक 1155 व्यक्तियों का सकुशल रेस्क्यू किया

एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीमें दिन-रात सक्रिय रहकर प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित कर रही हैं। मानसून के दौरानएनडीआरएफ, एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीमों ने अब तक 1155 व्यक्तियों को सकुशल रेस्क्यू किया है। वर्तमान में पूरे राज्य में एसडीआरएफ की 62 टीमें, एनडीआरएफ की 7 टीमें और सिविल डिफेंस की टीमें सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। वायुसेना के हेलिकॉप्टर से जलमग्न क्षेत्रों से लोगों को एयरलिफ्ट कर सुरक्षित आश्रय तक पहुंचाया भी जा रहा है। राहत शिविरों में भोजन, स्वच्छ जल और दवाइयों की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

- **राज्य में एसडीआरएफ की 62, एनडीआरएफ की 7 और सिविल डिफेंस की विभिन्न टीमें सक्रिय**

फसल खराबे का आंकलन और गिरदावरी रिपोर्ट

प्रदेश में खरीफ 2025 में अतिवृष्टि से हुए फसल नुकसान के आकलन के लिए 1 अगस्त, 2025 से गिरदावरी का कार्य प्रारम्भ किया गया। गिरदावरी के कार्य उपरांतजिन जिलों में 33 प्रतिशत या इससे अधिक फसल खराब हुई है, वहां प्रभावित किसानों को केन्द्र सरकार के एसडीआरएफ नॉर्म्स के अनुसार कृषि आदान-अनुदान सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी।

विद्यालयों और बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता

जिला प्रशासन द्वारा विद्यालयों और आंगनबाडी भवनों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए वर्षाजनित परिस्थितियों के चलते घोषित अवकाश के दौरान भवनों का निरीक्षण, जल निकासी और आवश्यक मरम्मत का कार्य तुरंत पूरा करवाया जा रहा है, ताकि बच्चों की सुरक्षा हर हाल में सुनिश्चित की जा सके।

राज्य सरकार द्वारा क्षतिग्रस्त सार्वजनिक परिसंपत्तियों की मरम्मत हेतु एसडीआरएफ नॉर्म्स के अंतर्गत विभिन्न जिलों से मरम्मत कार्यों के प्रस्ताव प्राप्त किए गए हैं। इन कार्यों में सडक, पुल, विद्यालय भवन, आंगनबाडी केंद्र और स्वास्थ्य संस्थानों की मरम्मत एवं पुनर्निर्माण के कार्य शामिल हैं। प्रदेश के 12 जिलों में अब तक 180.67 करोड रुपए के 8,867 कार्य स्वीकृत किए जा चुके हैं। इनमें 4,183 विद्यालय भवनों के लिए 83.66 करोड रुपए, 930 आंगनबाडी भवनों के लिए 21.89 करोड रुपए, 165 पंचायत भवनों के लिए 3.57 करोड रुपए, 106 चिकित्सालय भवनों के लिए 2.08 करोड रुपए, 170 लघु सिंचाई योजनाओं के लिए 3.94 करोड रुपए, 3,128 सडकों के लिए 64.34 करोड रुपए और 184 पुलियों के लिए 1.14 करोड रुपए की स्वीकृति दी गई है।

इसी तरह, राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में सभी जिलों को बचाव उपकरणोंके लिए 19.45 करोड रुपए की स्वीकृति दी है। सभी संभागीय मुख्यालय वाले जिलों को 20-20 लाख रुपए तथा अन्य जिलों को 10-10 लाख रुपए की राशि प्रदान की गई। साथ ही, अतिवृष्टि के दौरान जिलों की मांग के अनुसार अतिरिक्त आवंटन किए जा रहे हैं।

इस बार सामान्य से 62.50 प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज

राज्य में दक्षिण-पश्चिमी मानसून में अब तक वास्तविक वर्षा 608.65 मिमी रही, जो सामान्य से 62.50 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में प्रदेश के 22 जिलों में वर्षा असामान्य श्रेणी में दर्ज की गई, जिनमें अजमेर, बूंदी, कोटा, टोंक, नागौर, सवाई माधोपुर, सीकर, धौलपुर, श्रीगंगानगर, जयपुर, जोधपुर और करौली जैसे जिले प्रमुख रूप से शामिल हैं।

बांसवाड़ा आ सकते हैं प्रधानमंत्री मोदी

परमाणु ऊर्जा परियोजना का शिलान्यास भी संभव!

जयपुर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन 17 सितंबर को है और इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी हर वर्ष की तरह इस बार भी ''सेवा पखवाड़ा'' के रूप में जनसेवा कार्यों का आयोजन करेगी। इस बार खास बात यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं भी सेवा पखवाड़ा में शामिल हो सकते हैं। प्रदेश भाजपा ने इसके लिए प्रधानमंत्री कार्यालय से समय मांगा है। संभावित कार्यक्रम के अनुसार, पीएम मोदी 20 सितंबर को राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में आ सकते हैं।

- **बताया जा रहा है कि भाजपा ने प्रधानमंत्री कार्यालय से 20 सितंबर का समय मांगा है। हालांकि, अभी तक पी.एम.ओ. से कोई अधिकृत पुष्टि नहीं हुई है।**

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मदन राठौड ने शुक्रवार को भाजपा मुख्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि पार्टी ने प्रधानमंत्री कार्यालय से 20 सितंबर का समय मांगा है। हालांकि, अभी तक पीएमओ से कोई अधिकृत पुष्टि नहीं हुई है। राठौड़ ने कहा, अगर प्रधानमंत्री बांसवाड़ा आते हैं तो इससे कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ेगा और क्षेत्र को भी बड़ी सौगात मिलेगी।

बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी बांसवाड़ा के मापला (या नापला) गांव के पास स्थित माही बांसवाड़ा परमाणु ऊर्जा परियोजना का शिलान्यास कर सकते हैं। यह परियोजना अणुशक्ति विद्युत निगम (अश्विनी) द्वारा विकसित की जा रही है, जो राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम और भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम का संयुक्त उपक्रम है। इस परियोजना के तहत कुल 2800 मेगावाट की क्षमता के चार परमाणु रिएक्टर स्थापित किए जाएंगे, जिनमें प्रत्येक की क्षमता 700 मेगावाट होगी। परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड से साइट की स्वीकृति मिल चुकी है और वर्तमान में परियोजना-पूर्व गतिविधियां जारी हैं। सेवा पखवाड़ा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक मनाया जाएगा। इस दौरान प्रदेश भर में स्वच्छता अभियान, प्रेरणादायक महापुरुषों की स्मारकों की सफाई, रक्तदान शिविर, नशा मुक्ति अभियान, मेडिकल कैंप और दिव्यांगों को सहायक उपकरण वितरण जैसे विविध सेवा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। राठौड़ ने कहा कि यह सेवा पखवाड़ा प्रधानमंत्री मोदी के जीवन के सेवा मूल्यों को समर्पित होगा और इसे पूरे प्रदेश में बड़े स्तर पर मनाया जाएगा।

'सनातन परंपरा और संस्कृति को पीढ़ी-दर-पीढ़ी बढ़ा रहे संस्कृत शिक्षक'

जयपुर। जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय में शुक्रवार को शिक्षक दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि बगरू विधायक डॉ. कैलाश चंद्र वर्मा ने कहा कि शिक्षक केवल पाठ्यपुस्तक का ज्ञान नहीं देते, बल्कि वे विद्यार्थियों के चरित्र, चिंतन और जीवन मूल्यों की नींव रखते हैं। उनमें भी संस्कृत भाषा के शिक्षक सनातन परंपरा और संस्कृति को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाने में जिस प्रकार योगदान दे रहे हैं, वह किसी भी राष्ट्रनिर्माता से कम नहीं है। उन्होंने शिक्षकों को समाज का वास्तविक निर्माता बताया।

इस अवसर पर प्रदेश के आठ उत्कृष्ट शिक्षकों को संस्कृत भाषा के संरक्षण और शिक्षा के क्षेत्र में उनके विशिष्ट योगदान के लिए प्रशस्ति-पत्र, शॉल एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। इनमें प्रो. महावीर प्रसाद सारस्वत (बीकानेर), प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी (लाडनूं), प्रो. योगेंद्र दाधीच (जयपुर), डॉ. रामानंद कुलदीप (अजमेर), डॉ. दिवाकर मिश्र (संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर), डॉ. सुभाष चंद्र (केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर), डॉ. प्रकाश चंद मीना (कोटखावदा) और डॉ. पूनम गुप्ता (थानागाजी) शामिल रहे।

भारतीय संस्कृति गौ-संस्कृति : बागड़े

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए गाय को केन्द्र में रखकर कार्य किए जाएं : राज्यपाल

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि भारतीय संस्कृति गो संस्कृति है। संस्कृति में गौ शब्द लग जाता है तो इसका अर्थ है-श्रद्धा के साथ अर्थव्यवस्था का जुड़ना। ऐसी अर्थव्यवस्था से ही सतत् और संतुलित विकास होता है। उन्होंने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए गाय को केन्द्र में रखकर उसके उत्पादों से जन-जन को जोड़े जाने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि गौ-धन संरक्षण के लिए गौशालाओं की स्थापना संग नंदी शालाएं भी स्थापित की जाए।

राज्यपाल शुक्रवार को विद्याधर नगर में देवरहा बाबा गो सेवा परिवार द्वारा वैश्विक संगोष्ठी, प्रदर्शनी के आलोक में आयोजित ''गो-महाकुम्भ 2025'' में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भारतीय ज्ञान परम्परा में गाय की महता से जुड़े संदर्भ देते हुए कहा कि गौ-सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। हमारे वैदिक ग्रंथ, शास्त्र सभी गो को पूज्य कहते हैं। परन्तु जिसे पूजा जाता है वह हमारी अर्थव्यवस्था का बड़ा आधार है। यह गाय ही है जो हमें दूध के रूप में पोषण देती है। गाय का घी, पनीर, मावा आदि बहुत से उत्पादों से ही भारत की अर्थव्यवस्था सुदृढ है।

- **'गौशालाओं के साथ साथ नंदी शालाएं भी स्थापित की जाएं'**

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शुक्रवार को विद्याधर नगर में आयोजित ''गो-महाकुम्भ 2025'' में शिरकत की।

राज्यपाल ने देवरहा बाबा की स्मृति को नमन करते हुए कहा कि वह महान योगी, सिद्ध तो थे ही, गोसेवा को सर्वोपरि-धर्म मानते थे। वह कहते थे, 'जीवन को पवित्र बनाए बिना, ईमानदारी, सात्विकता-सरसता के बिना भगवान की कृपा प्राप्त नहीं होती। गौ सेवा इसका सबसे बड़ा माध्यम है।

राज्यपाल ने कहा कि महाभारत के अनुशासन पर्व में भीष्म कहते हैं कि गाय हमारी माता है और बैल हमारे पिता हैं। वेदों में सूर्य की एक किरण का नाम कपिला है। उन्होंने गोपाष्टमी पर्व मनाने, श्री कृष्ण का धेनु से नाता बताते हुए कहा कि गो ने भगवान का अभिषेक किया, उसी दिन से भगवान का एक नाम 'गोविंद' पड़ा। गाय विश्वरूपा है।

वह अखिल ब्रह्माण्ड का प्रतिनिधित्व करती है। इसलिए गाय संरक्षण के लिए सबको मिलकर कार्य करना चाहिए। बागडे ने ''गो-महाकुम्भ 2025'' में गाय के उत्पादों की लगी प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए गो उत्पादों के प्रभावी विपणन के लिए भी कार्य करने पर जोर दिया।

नकबजन गिरोह का भंडाफोड, चार बदमाश गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। करधनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नकबजन गिरोह के चार बदमाशों को पकड़ा है और उनके पास से एक देशी कट्टा,एक जिंदा कारतूस और एक चाकू भी बरामद किया है। इसके अलावा पुलिस ने आरोपियों के पास से सोने-चांदी के जेवरात सहित चोरी की चार पानी की मोटर भी बरामद की है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

- **आरोपियों के कब्जे से देशी कट्टा, एक जिंदा कारतूस और एक चाकू जब्त**

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद ने बताया कि करधनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नकबजन गिरोह के शातिर बदमाश विशाल मालावत,सोहन सिंह चौहान, श्याम टेलर और अजय सैनी को गिरफ्तार किया है और सभी आरोपी करधनी इलाके के रहने वाले है। जिनके पास से एक देशी कट्टा,एक जिंदा कारतूस और एक चाकू भी बरामद किया है। इसके अलावा पुलिस ने आरोपियों के पास से सोने-चांदी के जेवरात सहित चोरी की चार पानी की मोटर भी बरामद की है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने की उदयपुर जोन की सड़क परियोजनाओं की समीक्षा

बारिश से क्षतिग्रस्त सड़कों को जल्द दुरुस्त करने के निर्देश, लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शुक्रवार को अधिकारियों की बैठक लेकर उदयपुर जोन की सड़क परियोजनाओं पर चर्चा की।

जयपुर । उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शुक्रवार को उदयपुर जोन की सड़क परियोजनाओं की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हुई सड़कों को तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मानसून के मौसम को देखते हुए अधिकारी फील्ड में सक्रिय रहें और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहें।

दिया कुमारी ने निर्देश दिए कि जिन सड़कों की डीएलपी (डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड) अवधि चल रही है, उनकी मरम्मत शीघ्रता से करवाई जाए। उन्होंने कहा कि यदि कोई संवेदक (ठेकेदार) कार्य में लापरवाही बरतता है या धीमी गति से काम कर रहा है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी नियमित फील्ड विजिट करें और हर सप्ताह प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें, जिससे काम की गुणवत्ता और गति पर नजर रखी जा सके। उन्होंने 2024-25 के बजट में घोषित कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करवाने और आगामी बजट 2025-26 में प्रस्तावित कार्यों की निविदा प्रक्रिया शीघ्र पूरी कर काम शुरू करने के निर्देश भी दिए। दिया कुमारी ने स्पष्ट किया कि सरकार की प्राथमिकता जनसुविधाओं को सुचारू बनाए रखने की है, ऐसे में सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं में किसी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

श्राद्ध पक्ष रविवार से, पितरों के लिए किए जाएंगे तर्पण

जयपुर। दिवंगत पितृों को श्रद्धा देने का पंद्रह दिवसीय श्राद्ध पक्ष रविवार से शुरू होगा। पहले दिन पूर्णिमा का श्राद्ध निकाला जाएगा। चंद्र ग्रहण का सूतक के कारण दोपहर बारह बजे से पूर्व ही पूर्णिमा तिथि का श्राद्ध निकाला जाएगा।

आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर में श्राद्ध पक्ष के तीनों रविवारों को पितृ तृप्ति महायज्ञ होगा। श्रद्धालु अपने दिवंगत पितृगणों की स्मृति में हवन में आहुतियां प्रदान कर सकेंगे। सभी व्यवस्थाएं श्रद्धालुओं को निशुल्क उपलब्ध करवाई जाएगी। भाद्रपद पूर्णिमा से शुरू हो रहे श्राद्ध पक्ष और चन्द्रग्रहण के उपलक्ष्य में गोविन्द देवजी मंदिर में सात सितंबर को सुबह आठ से दस बजे तक श्री मन्माध्व गौडेश्वराचार्य महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में नि:शुल्क पितृ तृप्ति गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। जिन श्रद्धालुओं का श्राद्ध पूर्णिमा को है उनके पितृगणों के लिए विशेष आहुतियां दिलवाई जाएंगी। सभी सामग्री नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाएगी।

गोविंद देवजी मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि जिनका जन्मदिन या विवाह दिवस 7 सितम्बर को है, उनके लिए विशेष संस्कार हवन के साथ संपन्न कराया जाएगा। सभी श्रद्धालुओं को युग निर्माण सत्संकल्प पत्रक एवं गायत्री चालीसा भेंट स्वरूप प्रदान की जाएगी।

जैनबंधु शनिवार को मनाएंगे अनन्त चतुर्दशी

जयपुर । दिगम्बर जैन धर्मावलंबी शनिवार को सबसे बड़ा पर्व अनन्त चतुर्दशी भक्ति भाव से मनाएंगे। इस मौके पर मंदिरों में दशलक्षण समापन कलश होंगे। साथ ही दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों के चल रहे दशलक्षण महापर्व में उत्तम ब्रह्मचर्य लक्षण आयोजित किया जाएगा। अभादि जैन परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा ने इस बारे में जानकारी दी।

खिलाड़ियों में से बनेंगे 167 कांस्टेबल

जयपुर । खेल जगत से जुड़े युवाओं के लिए राजस्थान पुलिस में सेवा का शानदार मौका आया है। पुलिस मुख्यालय राजस्थान जयपुर ने उत्कृष्ट खिलाडी कोटा के तहत कांस्टेबल के 167 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए योग्य अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं।

यह भर्ती उन प्रतिभावान खिलाड़ियों को पुलिस बल का हिस्सा बनने का अवसर देगी। जिन्होंने विभिन्न खेलों में अपनी छाप छोड़ी है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पुलिस (भर्ती एवं पदोन्नित बोर्ड) बिपिन कुमार पाण्डेय ने बताया कि इच्छुक और पात्र उम्मीदवार 12 सितंबर से 01 अक्टूबर 2025 तक अपने आवेदन ऑनलाइन जमा कर सकेंगे। आवेदन पत्र राजकॉम इन्फो सर्विसेज लिमिटेड द्वारा संचालित सभी ई-मित्र कियोस्क और जन सुविधा केंद्रो पर उपलब्ध होंगे।

डोटासरा कभी उभरते नेता थे, अब भाषा-व्यवहार से लोकतंत्र को कमजोर कर रहे : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की हालिया बयानबाजी पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि डोटासरा कभी एक उभरते हुए और प्रतिभाशाली नेता माने जाते थे, लेकिन विपक्ष में रहते हुए उनकी भूमिका लगातार कमजोर होती गई है। उन्होंने कहा कि ''एक अच्छा व्यक्ति बिगड़ गया है।''

राठौड़ ने आरोप लगाया कि डोटासरा ने हाल के समय में सदन और सार्वजनिक मंचों पर जिस तरह की भाषा और व्यवहार अपनाया है, वह लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ है।

उन्होंने कहा कि ''मैं स्वयं विधानसभा में डोटासरा के साथ रहा हूं। पहले हम उन्हें एक परिपक्व और जिम्मेदार नेता मानते थे, लेकिन अब वे हल्के शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं और आसन के प्रति भी मर्यादाहीन व्यवहार कर रहे हैं।'' उन्होंने यह भी कहा कि डोटासरा को बार-बार सदन में व्यवधान डालने की आदत है और उन्हें पूर्व में कैलाश मेघवाल के समय भी विधानसभा से निष्कासित किया जा चुका है। राठौड के अनुसार, सदन में अनुपस्थित रहकर विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाना लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का अपमान है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने यह भी कहा कि डोटासरा अपनी ही पार्टी के वरिष्ठ नेता राजेन्द्र पारीक के खिलाफ जिस प्रकार की सार्वजनिक बयानबाजी कर रहे हैं, वह अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने कहा कि पारीक जैसे वरिष्ठ और संसदीय परंपराओं को समझने वाले नेता का सार्वजनिक अपमान अनुचित है और इससे कांग्रेस पार्टी के भीतर मतभेद और टूट की स्थिति बन रही है। राठौड ने इस मामले की तुलना पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट के विवाद से करते हुए कहा कि जैसे गहलोत ने पायलट को 'नाकारा' और 'निक्कमा' कहा था, और उसके बाद वे दोनों मन से एक नहीं हो सके, वैसे ही डोटासरा के बयान भी पारीक के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाने वाले हैं।

अकीदत, शान और उत्साह के साथ मनाया ईद मिलादुन्नबी

जयपुर शहर की गलियों, चौबारों को नूरानी झलकियों से सजाया

जयपुर (कासं)। पैगंबर-ए-इस्लाम की यौम-ए-पैदाइश के मौके पर जयपुर शहर में ईद मिलादुन्नबी को अकीदत, शान और उत्साह के साथ मनाया गया। शहर की गलियों, चौबारों और घरों को रंग-बिरंगी रोशनी, झिलमिलाती सजावट और नूरानी झलकियों से सजाया गया, जिससे पूरे शहर में एक अलग ही रौनक देखने को मिली।

श्रद्धालुओं ने मरहबा की सदाओं और नात-ओ-कसीदों की गूंज में जुलूस-ए-मोहम्मदी में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। हाथों में गुंबद-ए-खिजरा वाले हरे झंडे लिए और पैगंबर-ए-इस्लाम की शान में नात पढ़ते हुए लोग जयपुर की गलियों से गुजरे। जुलूस में बड़ी संख्या में बच्चे, युवा और बुजुर्ग शामिल थे, और उनके चेहरे पर उत्साह और श्रद्धा झलक रही थी। जयपुर की प्रमुख मस्जिदों के पास विशेष स्वागत द्वार और सजावट की गई। विभिन्न कमेटियों ने ताजमहल की शबीह, मस्जिद के गुंबद की आकृति, तुर्क महल के तर्ज पर भव्य गेट और पहाड़-झरने जैसे मॉडल तैयार किए। ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह का मॉडल विशेष रूप से आकर्षण का केन्द्र बना। घर-घर में पकवानों की खुशबू और मिठाइयों का आनंद रहा। लोग एक-दूसरे से गले मिलकर मुबारकबाद दे रहे थे। शहरभर में लंगर और शर्बत के भी विशेष इंतजाम किए गए थे, जिससे सभी को ठंडक और खुशी मिली। रातभर चले जश्न-ए-चिरागा और दिनभर निकाले गए जुलूस-ए-मोहम्मदी ने जयपुर को भाईचारे, ईमान और मोहब्बत के रंगों से भर दिया। अकीदतमंदों की मुस्कान और रोशनी में झिलमिलाती सजावट ने इस पर्व को यादगार बना दिया। मुस्लिम समाज के जुलूस ए मोहम्मदी के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए थे। जगह-जगह पुलिस का जाब्ता तैनात रहा। इस अवसर पर लोगों ने नातिया कलाम पेश किया और जुलूस में भाग लेने वालों को पुरस्कृत किया गया।

बाराबफात पर मुस्लिम समुदाय की ओर से शहर में जुलूस निकाला गया।

150 वर्ष पुराने रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण के लिए निकले ठाकुरजी

जयपुर । ठिकाना मंदिर श्री रामचंद्र जी चांदपोल बाजार जयपुर में भादवा तेरस शुक्रवार को श्री सियाराम जी की वार्षिक नगर परिक्रमा धूमधाम से निकाली गई। वार्षिक नगर परिक्रमा में सांगानेरी गेट हनुमान जी मंदिर में भरत मिलाप हुआ। अलौकिक साज-सज्जा के बाद रथ भरत और शत्रुध्न को लेकर सांगानेरी गेट स्थित हनुमान जी मंदिर के लिए रवाना हुआ और शाम 7 बजे भगवान श्रीराम का भरत मिलाप का अद्भुत मिलाप हुआ ।

जिसके बाद भरज जी ने उनकी आरती उतारी और विनती कर उन्हे राजसी वेश धारण करवाए। भगवान श्री राम के राजशी वेश धारण करने के बाद शाही लवाजमें के साथ भक्तजन उन्हे अपने साथ मंदिर लेकर पहुंचे।शाही लवाजमें में शामिल शाही रथ में चांदी की कुर्सियां, सिंहासन, कटघरे, खंभे लगे हुए थे। रथ यात्रा सांगानेरी गेट हनुमान मंदिर से बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया, छोटी चौपड़ होते हुए रात्रि 10 बजे मंदिर परिसर पहुंची।

मंदिर महंत नरेंद्र कुमार तिवारी ने बताया कि इस रथ का निर्माण जयपुर राज घराने के करीब 150 साल पहले कराया था। रथ की खास विशेषता है कि जैसे -जैसे ये पुराना होता जाएगा। वैसे-वैसे ही शीशम की लकड़ी से बना ये रथ और भी मजबूत होता जाएगा। इस रथ का पानी में भी कुछ नहीं बिगड़ता। पुरानी मान्यताओं के अनुसार इस रथ को साहू परिवार के सफेद बैल की जोड़ी ही खींचती है। यह परम्परा मंदिर स्थापना से ही चली आ रहीं है।

उस रथ पर श्री राम दरबार के सजीव स्वरूप बना कर ब्राह्मण बालकों को बैठाया गया। जिस रथ में श्री राम विराजते है वो रथ शुद्ध शीशम की लकड़ी से बना हुआ है और लकड़ी का जुड़ा, लोहे की कमानिया,जालियां इत्यादि बड़ी सुंदरता से बने हुए है। इस रथ को बैलों की जोड़ी खींचते है जो वर्षों से रामावतार साहू के घर से आते है। रथ को रखने के लिए मंदिर बड़ा रथ खाना बना हुआ है।